चिठी धुर दरगाहो

चिठी धुर दरगाहो आई सिमरन कर बंदिया,

पहिली चिठी आई कोई कीता ना प्रंबध जी,
होली होली झड़गे तेरे मुहँ वाले दंद जी,
तु ता मुहँ दी शकल गवाई सिमरन कर बंदिया,
चिठी .....

दूजी चिठी आई कोई कीता ने खियाल जी,
होलीहोली धोले होगे सिर दे वाल जी,
थेनं फेर वी समझ नई आई,
सिमरन कर बंदिया,
चिठी .....

तीजी चिठी आई कोई कीता ने खियाल जी,
होली होली बंद होया दिसनो जहान जी,
तेनू कंना तो वी देवे ना सुनाई,
सिमरन कर बंदिया,
चिठी.....

चोथी चिठी आई कोई ना खियाल जी ,
होली होली गोडियां दा होया बुरा हाल जी,
तेरे हॅथ विच सोटी फड़ाई ,
तेरे हथ विच सोटी फड़ाई ,
सिमरन कर बंदिया,
चिठी धुर दरगाहो आई,
सिमरन कर बंदिया,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5200/title/chithi-dhur-dargaho-aai-simren-kr-bandia

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |